• जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम •

श्री बजरंग बाण

विधि सहित

• जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम •

• जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम •

श्री बजरंग बाण

दोहा

निश्चय प्रेम प्रतीति ते, बिनय करैं सनमान।
तेहि के कारज सकल शुभ, सिद्ध करैं हनुमान॥

चौपाई

जय हनुमंत संत हितकारी। सुन लीजै प्रभु अरज हमारी॥
जन के काज बिलंब न कीजै। आतुर दौरि महा सुख दीजै॥

जैसे कूदि सिंधु महिपारा। सुरसा बदन पैठि बिस्तारा॥
आगे जाय लंकिनी रोका। मारेहु लात गई सुरलोका॥

जाय बिभीषन को सुख दीन्हा। सीता निरखि परमपद लीन्हा॥
बाग उजारि सिंधु महँ बोरा। अति आतुर जमकातर तोरा॥

अक्षय कुमार मारि संहारा। लूम लपेटि लंक को जारा॥
लाह समान लंक जरि गई। जय जय धुनि सुरपुर नभ भई॥

अब बिलंब केहि कारन स्वामी। कृपा करहु उर अंतरयामी॥
जय जय लखन प्रान के दाता। आतुर है दुख करहु निपाता॥

जै हनुमान जयति बल-सागर। सुर-समूह-समरथ भट-नागर॥
ॐ हनु हनु हनु हनुमंत हठीले। बैरिहि मारु बज्र की कीले॥

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं हनुमंत कपीसा। ॐ हुं हुं हुं हनु अरि उर सीसा॥
जय अंजनि कुमार बलवंता। शंकरसुवन बीर हनुमंता॥

जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम

• जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम •

जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम

जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम

बदन कराल काल-कुल-घालक। राम सहाय सदा प्रतिपालक॥
भूत, प्रेत, पिसाच निसाचर। अगिन बेताल काल मारी मर॥

इन्हें मारु, तोहि सपथ राम की। राखु नाथ मरजाद नाम की॥
सत्य होहु हरि सपथ पाइ कै। राम दूत धरु मारु धाइ कै॥

जय जय जय हनुमंत अगाधा। दुख पावत जन केहि अपराधा॥
पूजा जप तप नेम अचारा। नहिं जानत कछु दास तुम्हारा॥

बन उपबन मग गिरि गृह माहीं। तुम्हरे बल हौं डरपत नाहीं॥
जनकसुता हरि दास कहावौ। ताकी सपथ बिलंब न लावौ॥

जै जै जै धुनि होत अकासा। सुमिरत होय दुसह दुख नासा॥
चरन पकरि, कर जोरि मनावौं। यहि औसर अब केहि गोहरावौं॥

उठु, उठु, चलु, तोहि राम दुहाई। पायँ परौं, कर जोरि मनाई॥
ॐ चं चं चं चं चपल चलंता। ॐ हनु हनु हनु हनु हनुमंता॥

ॐ हं हं हाँक देत कपि चंचल। ॐ सं सं सहमि पराने खल-दल॥
अपने जन को तुरत उबारौ। सुमिरत होय आनंद हमारौ॥

यह बजरंग-बाण जेहि मारै। ताहि कहौ फिरि कवन उबारै॥
पाठ करै बजरंग-बाण की। हनुमत रक्षा करै प्रान की॥

यह बजरंग बाण जो जापैं। तासों भूत-प्रेत सब कापैं॥
धूप देय जो जपै हमेसा। ताके तन नहिं रहै कलेसा॥

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन है, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

• जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम •

बजरंग बाण पाठ की विधि

भगवान हनुमान प्रभु श्री राम के परम् भक्त हैं, इसलिए बजरंग बाण में मुख्य रूप से भगवान् राम की भी सौगंध के लिए कुछ पंक्तियां दी गयी है। ऐसा माना जाता है कि जब भी आप श्री राम का सौगंध लेंगें, तो हनुमान जी आपकी मदद अवश्य करेंगे। इसलिए पाठ में इन पक्तियों के अवश्य पढ़ना चाहिए। इस प्रकार हैं प्रभु श्रीराम की सौगंध की पंक्तियां

भूत प्रेत पिशाच निसाचर। अगिन बेताल काल मारी मर

इन्हें मारु, तोहिं सपथ राम की। राखु नाथ मर्याद नाम की।

जनक सुता हरि दास कहावौ। ताकी सपथ विलम्ब न लावौ।

उठु उठु चलु तोहिं राम दोहाई। पाँय परौं कर जोरि मनाई।।

बजरंग बाण पाठ मंगलवार से आरंभ करना चाहिए।

- ❖ मंगलवार के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- ❖ पूजा स्थान पर भगवान हनुमान जी की मूर्ति स्थापित करें।
- ❖ भगवान गणेश सभी देवों में प्रथम पूजनीय हैं। इसलिए बजरंग बाण का आरंभ करते समय सर्वप्रथम गणेश जी की आराधना करें।
- ❖ इसके बाद भगवान राम और माता सीता का ध्यान करें।
- ❖ उसके बाद हमुमान जी को प्रणाम करके बजरंग बाण के पाठ का संकल्प लें।
- ❖ हनुमान जी को फूल अर्पित करें और उनके समक्ष धूप, दीप जलाएं।कुश से बना आसन बिछाएं और उसपर बैठकर बजरंग बाण का पाठ आरंभ करें।
- ❖ पाठ पूर्ण हो जाने के बाद भगवान राम का स्मरण और कीर्तन करें।
- ❖ हनुमान जी को प्रसाद के रूप में चूरमा, लड्डू और अन्य मौसमी फल आदि अर्पित कर सकते हैं।

https://instapdf.in

• जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम • जय श्री राम •

InstaPDF

Hi! We're InstaPDF. A dedicated portal where one can download any kind of PDF files for free, **with just a single click**.

https://instapdf.in